CERC
Since 1978

जैविक विविधता - प्राकृतिक विरासत

जैव विविधता से भरी है, हमारी अमूल्य प्राकृतिक सम्पदा
आधुनिक जीवन की होड़ में देखो, विश्व में आयी अजीब विपदा

सब दिया कुदरत ने जो, धीरे धीरे हो रहा विलुप्त
जीना दुश्वार करता इंसान, चहल पहल हो रही सुषुप्त

मौसम संजोये हरियाली को तब, अन्न पानी से पनपता जीवन
मशीन की होड़ लगी जब से, बंजर होते चले उपवन

पशु पंछी पौधों में होती है, अनमोल और अनोखी प्रजातियाँ
चहकती महकती रंगीन वादियों में, रह गयी नाम शेष खामोशियाँ

नैसर्गिक रहनुमाइयो को भूल कर जब से, टेक्नोलॉजी की बढ़ती गयी सोहबत
इंसान की मतलबी जीवन शैली से आज, जैविक संगरक्षण की आई नौबत

हर जीव से जीव जुड़ा, ऐसा है प्रकृति का कमाल
क्षतिग्रस्त होती आनुवंगशिकता बचालो, न करना पड़े मलाल

उड़ती चिड़ियों को खोता चला, पलपल करके मोबाइल का उपयोग
ऐसी तरक्की किस काम की, कराये प्यारे पशु पंछियों का वियोग

कितना योगदान कुदरतों को देते, पूछो दिल पर रक्ख कर हाथ
ऐहसान चुकाने इस धरती का, प्रजातियां बचने जुटों एक साथ

देश चाहे अलग हो, पृथ्वी एक है माना
हर जान से जहां है, आज हर नागरिक ने जाना

आओ सब मिलकर सँवारे, जिसका खो रहा वजूद
बचाएँगे प्रजातियाँ कर्त्तव्य निबाह के, रहेगी धरती पर हमेशा मौजुद

एक दूजे के ही पर्याय है, सारे जीव और विज्ञान
सर्जन और संवर्धन करके, बढ़ाओ हमारी सृष्टि की शान

हर एक जैविक काया को ईश्वर ने, बख्शी कई खुबियां अनोखी
सब के जीवन के योगदान से ही तो, पर्यावरण टिकता खबूभी

संयुक्त राष्ट्र की वैश्विक मुहिम से, जैविक जागरूकता का नजरिया बदलेगा
दृष्टान्त रूप ठोस कदमों से भारत में, सुनहरी प्रजातियों का अस्तित्व दिखेगा

मिनल शुक्ला
(CERC Staff)